

**परछाईं** पुं. (तद्.) किसी वस्तु या व्यक्ति की आकृति के अनुरूप बन जाने वाली छाया, जो प्रकाश के अवरोध के कारण पड़ती है, छायाकृति, प्रतिबिंब मुहा. परछाईं से डरना- छोटी सी बात से भी डरना, किसी से अत्यधिक डरना, डर कर भागना।

**परज** पुं. (तत्.) 1. किसी अन्य, दूसरे या पराए से पैदा हुआ, उत्पन्न हुआ अर्थात् परजात 2. एक प्रकार की रागिनी जो गंगाधार, धनाश्री तथा मारु के मेल से बनी है 3. कोकिल, कोयल।

**परजरना** पुं. (तद्.) 1. जलना, दहकना, सुलगना, प्रज्वलित होना 2. कुद्ध होना, कुढ़ना, खीजना 3. ईर्ष्या या द्वेष से संतप्त होना, डाह करना।

**परजा स्त्री.** (तद्.) 1. प्रजा, रैयत 2. आश्रित जन, सेवा करने वाले सेवक यथा धोबी, नाई, कुम्हार, माली आदि 3. लगान पर जमींदार से जमीन लेकर खेती बाड़ी करने वाला खेतीहर।

**परजात** वि. (तत्.) 1. दूसरे से उत्पन्न या जन्मा हुआ 2. कोयल, कोकिल 3. दूसरी जाति का (मनुष्य या व्यक्ति) दूसरी बिरादरी का।

**परजाता** पुं. (तत्.) मझोले आकार का एक पेड़, हरसिंगार नाम का वृक्ष या पौधा।

**परतंचा** पुं. (तद्.) दे. प्रत्यंचा (धनुष की डोरी)।

**परत** पुं. (तद्.) किसी सतह के ऊपर का मोटाई का फैलाव, स्तर, तह प्रयो. चोट पर गीली मिट्टी की परत चढ़ाओ।

**परतः** अव्य. (तत्.) 1 दूसरे से, अन्य से, पर से 2. पीछे, बाद में 3. आगे, परे 4. पहले या मुख्य के पश्चात्।

**परतल** पुं. (तद्.) घोड़े के पीठ पर रखा जाने वाला वह बोरा जिसमें सामान भरा या लादा जाता है।

**परतला** पुं. (तद्.) तलवार लटकाने के लिए बाँधी जाने वाली कपड़े या चमड़े की वह मोटी पट्टी

जो कि कंधे से कमर तक छाती और पीठ पर से तिरछी करके बांधी जाती है।

**परता** पुं. (देश.) दे. पड़ता।

**परताजना** पुं. (देश.) सोनारों का एक प्रकार का औजार जिससे वे गहनों पर नक्काशी करके विभिन्न आकार गढ़ते हैं।

**परती स्त्री.** (देश.) 1. वह जमीन या खेत जो बिना जोते हुए पड़ी है या छोड़ दी गई है 2. वह चादर जिससे हवा करके भूसा उड़ाया जाता है।

**परतेला** वि. (देश.) ऐसा रंग जिसे तैयार करने के लिए कुछ समय के लिए घोलकर और उबाल कर रखा जाए।

**परत्र अव्य.** (तत्.) 1. अन्यत्र, अन्य कहीं, अन्य स्थान 2. परलोक में 3. परकाल में, उत्तरकाल में।

**परत्व** पुं. (तत्.) 1. पर होने या गैर होने का भाव 2. पहले या पूर्व में होने का भाव।

**परदा** पुं. (फा.पर्द.) 1. किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान को लोगों की दृष्टि से बचाने या छिपाने के लिए लगाया जाने वाला कपड़ा, आड़ करने के काम आने वाला टाट या चिक आदि जैसे- खिडकी का परदा, दरवाजे का परदा, नाटक के मंच का परदा मुहा. परदा खोलना- रहस्य या भेद जो प्रकट करना; परदा डालना- किसी रहस्य को छिपाना, ढकना; परदे में रहना- लोगों की दृष्टि से बचकर घर में रहना 2. शरीर के किसी अंग की पतली-झीनी झिल्ली यथा- कान का परदा।

**परदाख्त** स्त्री. (फा.) 1. देख-भाल 2. संरक्षण 3. पालन-पोषण।

**परदाज** पुं. (फा.) 1. सुसज्जित करने वाला 2. पोषक 3. शौर्य, वीरता 4. ढंग, तरीका 5. चित्र में अंकित महीन रेखाएँ 6. कार्य में लगे रहने का भाव।

**परदादा** पुं. (देश.) 1. प्रपितामह, पिता का दादा, दादा का पिता।